Web site: www.rssrashtriya.org E- mail: rss.rashtriya@gmail.com

राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)

कार्यालय : 82, पटेल कॉलोनी, गवर्नमेन्ट प्रेस के पास, सरदार पटेल मार्ग, जयपुर–302001
संरक्षक : सर्वश्री नानक कुन्दनानी, संतोष चन्द्र सुराणा, श्यामसुन्दर शर्मा, चौथमल सनाढ्य, राजनारायण शर्मा
(Regd. & Recognised by Govt. & Affiliated to ABRSM, AIPTF, AISTF, E.I. & RRKM)

प्रहलाद शर्मा	उमरावलाल वर्मा	देवलाल गोचर
अध्यक्ष	सभाध्यक्ष	महामंत्री
मो. 94140–56109	मो. 94148–52027	मो. 94144–03756

क्रमांक : 992 दिनांकः 05.04.2018

आदरणीय बन्धु/भगिनि,

सादर वन्दे !

सामाजिक समरसता हमारे संगठन का एक महत्वपूर्ण आधार है। संगठन ने सदैव सामाजिक विषमता के निवारण हेतु सार्थक प्रयास कर समाज के मन को कलुषता से मुक्त कर समरसता के भाव को प्रसारित करने का कार्य किया है।

हमारे समाज के किसी भी वर्ग को कोसना, अपमानित करना, आत्महत अथवा तेजोहत करना कदापि उचित नही है अपितु उनका आत्मबल बनाये रखते हुये नये प्रकार के अच्छे सामाजिक व्यवहार के उदाहरण तथा आदर्श उनके समक्ष रखना आवश्यक है। हम सब इसी समाज के ही विविध अंग है। यह भाव सभी में प्रगट हो, ऐसे प्रयास होने चाहिये।

यह सत्य है कि समाज के वंचित बंधुओं ने काफी कष्ट व अत्याचार सहन किये है किन्तु उन्हें भी यह ध्यान रखना चाहिये कि सम्पूर्ण समाज यह महसूस करता है कि यह सर्वथा गलत है तथा अब यह प्रक्रिया समाप्त हो जानी चाहिये। इस दिशा में समाज के समझदार व्यक्ति एवं जागरूक संगठन सदैव प्रयत्नशील रहे है तथा वर्तमान में भी इस दिशा में कार्यरत है। समाज के समस्त बन्धुओं के साथ समानता का व्यवहार हो। इन प्रयत्नों की सफलता के लिए पोषक भाषा का उपयोग तथा आचरण होना भी आवश्यक है। समाज की अन्यायपूर्ण एवं बुरी बातों की निंदा अवश्य होनी चाहिये परन्तु अपने समाज के दोषो के प्रति व्यथा की भावना भी प्रकट होनी चाहिये। हम समाज के सभी घटकों के साथ रहते आये है तथा भविष्य में भी रहने वाले हैं इसी समरसता पूर्ण आचरण का आग्रह होना चाहिये। हमारे इस प्रकार के आचरण से ही हमारे समाज की शक्ति एक सूत्र में आबद्ध होकर सामाजिक समता का वातावरण बन सकेगा।

2 अप्रैल 2018 के भारत बन्द के अवसर पर कतिपय विभाजनकारी शक्तियों द्वारा आरक्षण को लेकर किये गये दुष्प्रचार के कारण हिंसक घटनाएँ घटित हुई हैं जो सभ्य समाज के लिए कदापि उचित नहीं है। अब प्रतिक्रियात्मक रूप में 10 अप्रैल 2018 को कतिपय शक्तियों द्वारा बन्द का आह्वान किया जा रहा है जिससे इसी प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति की आशंका प्रबल हो जाती है।

बन्धुओं! हम शिक्षकों की भूमिका समाज प्रबोधन की दृष्टि से विशिष्ट होती है तथा इसी कारण हमारे संगठन का दायित्व भी बढ़ जाता है। इस ज्वलन्त मुद्दे को लेकर संगठन ने निर्णय लिया है कि कल दिनांक 6 अप्रैल 2018 को प्रत्येक जिले में जिला कार्यकारिणी की स्थायी समिति की बैठक आयोजित की जाये जिसमें इस विषय पर विचार–विमर्श कर 2 अप्रैल 2018 के बन्द के पक्षधर बन्धुओं तथा 10 अप्रैल 2018 के तथाकथित आयोजन के पक्षधर बन्धुओं से व्यक्तिगत सम्पर्क कर राष्ट्रहित में इस प्रकार की घटनाओं का सामाजिक, राष्ट्रीय एवं भावात्मक एकता पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर व्यापक चर्चा की जाकर इस प्रकार के आयोजनों को रोकने का प्रयास किया जाना चाहिये।

संगठन की सामाजिक सरोकारों के निर्वहन की श्रृंखला में दिनांक 8 अप्रैल 2018 को जिलों की कार्यकारिणी द्वारा उपशाखाओं की कार्यकारिणी एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक आहूत कर उसमें इस विषय पर व्यापक चर्चा करते हुए सम्पर्क की योजना बनाकर सघन सम्पर्क अभियान चलाया जाये। यह समस्त कार्य 10 अप्रैल से पूर्व ही होना है अतः विषय की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए त्वरित गति से समस्त गतिविधियों के क्रियान्वयन का प्रबल आग्रह है। यह पत्र आपके व्यक्तिगत उपयोग हेतु है, कृपया इसे वाट्सप इत्यादि सोशल मिडिया के ग्रुपों में नहीं डाले।

शेष कुशल।

भवदीय

(प्रहलाद शर्मा)
प्रदेशाध्यक्ष